Dainik Bhaskar (Indore), 15th October 2024, Page-08

पर्यावरण पर होने वाले असर को मापने AI रहेगा उपयोगी

IIT में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने पर चर्चा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में सोमवार को 'जलवायु परिवर्तन के मानक : बेहतर दुनिया के लिए एक साझा दृष्टिकोण' विषय पर एक दिनी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मानकों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों से निपटने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) और डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के माध्यम से किया गया। इसमें विद्यार्थियों, शोधकर्ता और शिक्षकगण सहित 70 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर मनीष गोयल ने कार्यशाला का नेतृत्व किया।

जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन के बीच के संबंध को समझाया

- बीआईएस के उपनिदेशक अगस्त दुबे ने राष्ट्र निर्माण में बीआईएस की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने हॉलमार्क और आईएसआई मानकों को बनाए रखने और उसके महत्व के बारे में बताया।
- इनफिनिटी एनवायरमेंटल सॉल्यूशंस के सीओओ जिमी शाह ने कार्बन फुटप्रिंट और कार्बन उत्सर्जन से जुड़े बिंदुओं पर बात की, जिसमें जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन के बीच के संबंध को समझाया। उन्होंने वैश्विक कार्बन मार्केट पर कार्बन उत्सर्जन के प्रभाव को लेकर बात की और यूनाइटेड नेशंस द्वारा स्थापित डॉक्यूमेंटेशन और रेगुलेशन की जानकारी दी।
- सीएसआईआर के वैज्ञानिक सतानंद मिश्रा ने किसी भी ग्रीन इनिशिएटिव के पर्यावरण पर होने वाले असर को मापने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर बात की। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से आसानी से मानकीकरण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, विशेष कर पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों के लिए।